Sanmarg 10 Apr 2011

'विश्वास से पर्वत भी हिल सकता है'

पहचान

सुख और समृद्धि के लिए जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का होना आवश्यक है। सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करने के लिए भारतीय परम्परा जहां वास्तु शास्त्र को महत्वपूर्ण मानती है, वहीं चीन में प्रवर्तित फेंगशुई भी काफी लोकप्रिय है और पिंकी कपूर इन दोनों को साथ लेकर चलती हैं। आज फेंगशुई और वास्तु को लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से पिंकी कपूर के योगदान को नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता है। हाल ही में सन्मार्ग के पहचान स्तम्भ के अंतर्गत वास्तु एवं फेंगशुई विशेषज्ञ पिंकी कपूर से मुलाकात हुई जिसके मुख्य अंश यहां प्रस्तुत हैं–

पिंकी कपूर : एक नजर में

- लंदन से फेंगशुई की शिक्षा व वास्तु का स्व अध्ययन
- फेंगशुई पर पुस्तकें लिखीं
- वास्तु व फेंगशुई विशेषज्ञ

प्र. वास्तु और फेंगशुई, एक दूसरे से कितने अलग हैं?

उ. वास्तु शास्त्र भारत की परम्परा में है जो स्थापत्य कला से जुड़ा है और पर्यटकों के माध्यम से दूसरे देशों में गयी। वास्तु शास्त्र में लचीलापन नहीं है इसलिए वहां थोड़ी सी गलती रह जाने पर तोड़फोड़ करनी पड़ती है, ऐसी अवस्था में फेंगशुई उसका विकल्प बनकर आता है। दरअसल, घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा को संरक्षित करना वास्तु और फेंगशुई, दोनों का ही लक्ष्य है। फेंगशुई कुछ और नहीं, वास्तु का ही विस्तृत रूप है। **प्र. आपने यह क्षेत्र क्यों चुना?**

उ. मैंने शादी के 25 साल बाद इस क्षेत्र में आना शायद मेरी नियति थी। शादी के 25 साल बाद शादी की रजत जयंती मनाने के लिए मैं ब्रिटेन गयी। वहां मैंने फेंगशुई में मास्टर किया और बाद में भारत आकर अपनी एक सहेली के कहने पर प्रैक्टिस की। यह ऊपर वाले की कृपा थी कि मैं जहां भी गयी, लोगों को फायदा हुआ। बाद में अंग्रेजी के एक अखबार में लिखने का मौका मिला, लोकप्रियता बढ़ी।

प्र. वास्तु और फेंगशुई को साथ लेकर कैसे काम करती हैं?

उ. हालांकि शुरुआत मैंने फेंगशुई से की, चाइनीज एस्ट्रोलॉजी यानि पिलर्स ऑफ डेस्टिनी सीखी। जो वास्तु के पास है, वह फेंगशुई में नहीं है और जो फेंगशुई में है वह वास्तु में नहीं है। अगर इन दोनों की सर्वश्रेष्ठ चीजों को मिला दिया जाये तो बेहतरीन परिणाम मिल सकते हैं, बस यही सोचकर मैंने इन दोनों को मिलाकर काम करना शुरू किया। फेंगशुई में तोड़फोड़ करने की जरूरत नहीं पड़ती। वास्तु स्थापत्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और फेंगशुई व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान कर घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार करती है।

प्र. आपके लिए सबसे बड़ा यादगार पल कौन सा है?

उ. कई हैं। जब शुरू किया था तो ओडिसा में एक आभूषणों के शोरूम में मुझे बुलाया गया था जहां मेरे जाने से पहले डायमंड सेक्शन में एक अंगूठी तक नहीं बिकी थी। मैंने ईश्वर का नाम लेकर काम किया और कुछ दिन बाद खबर मिली कि वहां लाखों का सामान बिका है। अब कई जगहों पर बुलाया जाता है मगर ब्रिटिश काउंसिल में जाकर अपनी बात रखना मेरे लिए काफी सम्मानजनक था। पिछले 10 - 12 सालों में मेरी जिंदगी काफी बदल चुकी है।

प्र. हमारे पाठकों को क्या सन्देश देना चाहेंगी?

उ. फेंगशुई आजमा कर देखें। सबसे जरूरी है विश्वास होना, जो भी करें विश्वास के साथ करें क्योंकि विश्वास से पर्वत भी हिल सकता है।

Sanmarg 14 Sept 2010

आभारी रहेंगे हम हमेशा'

या है मगर वे उन रास्तों को नहीं भूले जिन , वे लोग जिनके मार्गदर्शन ने उनको राह तारीफ कुछ इस अन्दाज में की -

की तारीफ इन्होंने इटालियन भाषा में करते हुए कहा कि 'मुझे इनकी ने पर गर्व है।'

जैन – 'सन्मार्ग को धन्यवाद। मेरे लिए मेरी मां मेरे जीवन में बेहद ं स्थान रखती हैं।' अपनी मां ललिता जैन को अपनी शिक्षिका उनका आभार व्यक्त करने वाली गुंजन कहती हैं कि उनके जीवन में लाने का श्रेय उनकी मां को है जिन्होंने हर कदम पर उन्हें प्रोत्साहित

पिंकी कपूर (फेंगशुई एक्सपर्ट) – बेहद अच्छा कार्यक्रम था, यहां की व्यवस्था भी काफी अच्छी थी। मेरे जीवन में मेरे गुरु मास्टर श्रेडा ने मेरे जीवन को नयी दिशा दी, जिनकी प्रेरणा से मैंने यह क्षेत्र चुना। ईश्वर की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे ऐसा शिक्षक दिया जिसने मेरे जीवन को नयी दिशा दी। मेरा मानना है कि अगर मेरे कारण किसी को लाभ होता है तो वह मेरी नहीं बल्कि ईश्वर की कृपा है।

डॉ. पूनम कपूर – यह सच है कि किसी के जीवन में उसके कों का स्थान बेहद महत्वपूर्ण होता है मगर मेरी शादी के बाद मेरी ने हमेशा मेरा ख्याल रखा। उन्होंने इतनी खूबसूरती के साथ मेरे ा ख्याल रखा कि मेरे लिए शादी के बाद अपने कैरियर पर ध्यान दे भव हो पाया।

ती अधिकारी (फैशन डिजाइनर) – आम तौर पर शिक्षक दिवस नी कक्षाओं में ही मनाते हैं मगर सन्मार्ग एवं तनिष्क द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम से शिक्षक दिवस का दायरा और बढ़ा हो गया है।

शिक्षक दिवस के मौके पर तनिष्क शोरूम में पिंकी कपूर